जलवायु परिवर्तन कार्यवाही में प्रिज्म सीमेंट के ठोस कदम

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन), एक निजी संगठन, आधुनिक स्वचालित अत्याधुनिक नियंत्रण वाले कुशल संयंत्र संचालन के कारण उच्चतम गुणवत्ता मानक हैं। प्रतिष्ठित प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड का सीमेंट डिवीजन, अगस्त 1997 में अपनी यूनिट 1 में उत्पादन शुरू किया और दिसंबर 2010 में यूनिट 2 के साथ क्षमता बढ़ा दी। यह पोर्टलैंड पॉजोलाना सीमेंट (PPC) ब्रांड नाम ''चैंपियन''और प्रीमियम गुणवत्ता के सीमेंट ''चैंपियन प्लस'' ''आलवेदर'' और ''ड्यूरेटेक'' ब्रांड के नाम से उत्पादन करते हैं।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) 6.7 MTPA क्षमता के सीमेंट उत्पादन के साथ भारत का पहला एकीकृत प्लांट है। आधुनिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए आज के समय में प्रिज्म सीमेंट भारत के शीर्ष उद्योगों में से एक है। कंपनी का मुख्य फोकस सतत विकास के क्षेत्र में काम करना है। पर्यावण संरक्षण के क्षेत्र में प्रिज्म सीमेंट का कार्य प्रशंसनीय है। पर्यावरण के मुख्य अंग जल और वायु दोनों के संरक्षण के लिए प्रिज्म सीमेंट ने समान योगदान दिया है। जल स्तर बढ़ाने के लिए कंपनी ने प्लांट और आस पास के क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन के संरचनाएं बनायीं है। वायु प्रदुषण को कम करने के लिए प्रिज्म सीमेंट ने बीते वर्षो में बहुत अधिक मात्रा में पेड़ लगाए है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कंपनी ने 57,099 पेड़ लगाए है।

प्रिज्म सीमेंट प्लांट में पर्यावरण की सुरक्षा एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य किये जा रहें है। पर्यावरण मंत्रालय के मानको का पूर्ण रूप से पालन किया जाता है। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल के द्वारा सीमेंट प्लांट को एवं कैप्टिव लाइमस्टोन माइंस के लिए सम्मति प्रदान की गई है। जिसमे दिए गए निर्देशो का पालन प्रिज्म सीमेंट द्वारा निरंतर किया जाता है।

इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का थीम ''प्रकृति'' से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए है। जलवायु परिवर्तन आज विश्व के सामने सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। बढ़ता वैश्विक तापमान, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़, हीट वेव तथा प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएँ इसके प्रत्यक्ष प्रभाव हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति, उद्योग और समाज को मिलकर जलवायु कार्रवाई (Climate Action) की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

जलवायु कार्रवाई हेतु प्रिज्म सीमेंट के ठोस कदम :-

ऊर्जा संरक्षण: प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड सतत विकास एवं जलवायु कार्रवाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत नवीकरणीय एवं स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को निरंतर बढ़ावा दे रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कंपनी की कुल विद्युत खपत का लगभग 32.6% भाग स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त हुआ, जिसमें 9.8% सौर ऊर्जा (Solar Power) तथा 22.8: अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति प्रणाली (Waste Heat

Recovery System & WHRS) का योगदान रहा। यह पहल न केवल जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने में सहायक है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इसी तरह वर्षा जल संचयनहेतु प्लांट परिसर एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत में 500 से अधिक वर्षा जल संचयन (Rainwater Harvesting) संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिनकी सहायता से वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2,512,553 किलोलीटर वर्षा जल का भूजल पुनर्भरण किया गया। इसके अतिरिक्त, कंपनी द्वारा माइंस पिट वर्षा जल संरक्षण संरचना विकसित की गई है, जिसमें एकत्रित वर्षा जल का उपयोग प्लांट की विभिन्न आवश्यकताओं हेतु किया जाता है। इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रिज्म सीमेंट 4.16 गुना जल (Water Positive) है।

वृक्षारोपण एवं हरित आवरण: प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने हेतु वृक्षारोपण एवं हरित आवरण वृद्धि को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कंपनी द्वारा प्लांट परिसर, खदान क्षेत्र एवं कॉलोनी में 57,099 पौधों का रोपण किया गया। इनमें औषधीय पौधे, धूल नियंत्रण हेतु उपयुक्त प्रजातियाँ तथा विभिन्न फलदार पौधे शामिल हैं। यह पहल कार्बन अवशोषण, जैव विविधता संरक्षण, धूल नियंत्रण एवं क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।इसके अतिरिक्त, परिसर के भीतर आवागमन हेतु साइकिल के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे ईंधन की बचत, वायु प्रदूषण में कमी एवं हरित परिवहन को बढ़ावा मिलता है।

जल एवं वर्षा जल संरक्षण: प्रिज्म सीमेंट प्लांट आधुनिक ड्राई प्रोसेस टेक्नोलॉजी प्रक्रिया पर आधारित है। सीमेंट उत्पादन में जल प्रदुषण की सम्भावना नहीं होती है। परिसर में स्थित टाउनशिप द्वारा उत्सर्जित वेस्ट वाटर के ट्रीटमेंट के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना की गई है जिसकी क्षमता 600 किलो लीटर प्रति दिन है। उपचारित जल को टाउनशिप एवंप्लांट परिसर में ग्रीन बेल्ट के विकास एवं पौधों की सिंचाई के रूप में किया जाता है। उपचार प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न स्लज पदार्थ को खाद के रूप में परिसर के अंदर ही उपयोग किया जाता है। प्लांट परिसर में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पद्धति को अपनाया गया है। प्रतिदिन लगभग 400 किलो लीटर व्यर्थ जल का उपचार किया जाता है।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट का वैकल्पिक ईंधन के रूप में उपयोग: प्रिज्म सीमेंट में संसाधनों के सतत उपयोग एवं अपशिष्ट में कमी लाने हेतु वैकल्पिक ईंधन एवं कच्चे माल (Alternative Fuels and Raw Materials & AFR) के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। कंपनी द्वारा विभिन्न प्रकार के ठोस अपशिष्ट जैसे प्लास्टिक अपशिष्ट, आरडीएफ (Refuse Derived Fuel) तथा अन्य अनुमोदित औद्योगिक एवं खतरनाक अपशिष्टों का सह-प्रसंस्करण (Co-processing) कर उन्हें ईंधन के रूप में उपयोग किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान प्रिज्म सीमेंट द्वारा लगभग 60,000 मीट्रिक टन ठोस अपशिष्ट का AFR के रूप में उपयोग किया गया। इससे प्राकृतिक जीवाश्म ईंधनों की खपत कम होती है, अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित होता है तथा कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आती है।

सामाजिक उत्तरदायित्व: प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित पर्यावरण हेतु सघन वृक्षारोपण, सोशल फारेस्ट्री डेवलपमेंट, जल संवर्धन एवं संचयन हेतुतालाबों का उन्नयन, नये तालाबों का निर्माण बोर शाफ्ट संरचनाओं का निर्माण एवं वर्षा ऋतु में छतों से बहने बाले पानी के संरक्षण के लिये पर्फोरेटेड ड्रम आधारित जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के अलावा शिक्षा विकास, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास आदि विभिन्न सामाजिक विकास के कार्य कर रही है।

युनिवर्सल केबिल्स में पर्यावरण एवं जल संरक्षण

विंध्य क्षेत्र के प्रमुख औद्योगिक संस्थान युनिवर्सल केबिल्स लिमिटेड की स्थापना सतना एम.पी. बिरला उद्योग समूह द्वारा सन् 1964 में की गई थी । आज यह देश के सबसे बड़े केबिल एवं कैपेसिटर उत्पादक संस्थान के रूप में जाना जाता है । इस संस्थान में निर्मित होने वाले "युनिस्टार" ब्रांड के केबिल्स एवं कैपेसिटर गुणवत्ता में पूरे देश में सर्वाधिक लोकप्रिय हैं। युनिवर्सल केबिल्स को इन्टीग्रेटेड मैनेजमेन्ट सिस्टम (आईएमएस) के तहत आईएसओ 9001, आईएसओ 14001 तथा आईएसओ 45001 ब्यूरो वेरीटास प्रमाण पत्र प्राप्त हैं ।

युनिवर्सल केबिल्स लिमिटेड में जितनी तरह के केबिल बनाये जा रहे हैं उतने भारत के किसी भी केबिल फैक्ट्री में नही बन रहे है ।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण तथा संवर्धन पर जोर

वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे प्रदूषण एवं जल की कमी चिन्ता का विषय बनी हुई है। पर्यावरण के साथ ही जल संरक्षण तथा संवर्धन आने वाले समय के लिये महत्वपूर्ण है । युनिवर्सल केबिल्स अपने स्थापना काल से ही पर्यावरण संरक्षण के लिये जागरूक रहा है । प्रतिवर्ष इस संस्थान में वर्षाकाल में वृहदरूप से वृक्षारोपण हेतु वन महोत्सव का आयोजन किया जाता है, नये पौधे लगाने के साथ ही उनकी देखभाल और सुरक्षा का विशेष ध्यान दिया जाता है ।

युनिवर्सल केबिल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सी.ई.ओ. श्री वाई.एस. लोढ़ा जी का इस ओर विशेष लगाव है, इसी के परिणाम स्वरूप इस संस्थान के परिसर में वृक्षों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है ।इस समय हमारे संस्थान में नीम के 8800 वृक्ष है इसके साथ काफी मात्रा में पीपल एवं वट वृक्ष भी है अत: यहा का वातावरण काफी शुद्ध रहता है । %अश्वत्थमेकम् पिचुमन्दमेकम% %न्यग्रोधमेकम् दश चिचणीकान् ।% कपित्थबिल्वो मलकत्रयच% %प 77चोम्रमुप्तवा नरकन्न पश्येत् ।।% = अश्वत्थ: = पीपल (100% कार्बन डाइआक्साइड सोखता है) पिचुमन्द: = नीम (80% कार्बन डाइआक्साइड सोखता है) न्यग्रोध: वटवृक्ष (80% कार्बन डाइआक्साइड सोखता है) चिणचणी = इमली (80% कार्बन डाइआक्साइड सोखता है) कपित्थ: = कविट (80% कार्बन डाइआक्साइड सोखता है) बिल्व: = बेल (85% कार्बन डाइआक्साइड सोखता है) आमलक: = आवला (74%कार्बन डाइआक्साइड सोखता है) आम्र: आम (70% कार्बन डाइआक्साइड सोखता है) (उप्ति = पौधा लगाना) *

अर्थात् जो कोई इन वृक्षों के पौधों का रोपण करेगा, उनकी देखभाल करेगा उसे नरक के दर्शन नही करना पड़ेंगे।

वर्तमान समय में पानी का संकट जिले के साथ ही पूरे प्रदेश में नजर आ रहा है । साल दर साल वर्षा कम हो रही है जिसके चलते भूमिगत जल स्तर में कमी आ गई है । नदी नाले कुँए सूखने लगे हैं शहर एवं गांवो में लगे ट्यूबवेल से पानी नही निकल रहा है ।ऐसी स्थिति में यदि जल का संरक्षण संवर्धन नही किया गया तो आने वाला समय विस्फोटक होगा । इस दिशा में भी युनिवर्सल केबिल्स काफी पहले से जागरूक है ।

वर्षा जल संरक्षण हेतु इस संस्थान के परिसर के कई स्थानों में सोकपिट बनाये गये हैं जिससे कि भूमिगत पानी का संवर्धन किया जा सके, इतना ही नही वर्षा के जल को व्यर्थ न बहने दिया जाय इसके लिये परिसर में निर्मित छोटी बड़ी नालियों के माध्यम से वर्षा के जल को संस्थान में निर्मित तालाब में एकत्र किया जा रहा है । कारखानों के भवन की छतों के बरसात के पानी को पाईप के माध्यम से एकत्र किया जाकर उसे कुओं में डाला जा रहा है। जबकि रहायशी मकानों की छतों का पानी सोकपिट में पहुँचाया जा रहा है । इसके अलावा पानी की बचत हेतु इस संस्थान द्वारा फैक्ट्री एवं रहायशी भवनों का निस्तार का पानी नालियों के माध्यम से एकत्र कर उसे पुन: उपयोगी बनाने के लिये सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट स्थापित किया गया है, जिसके जरिये हम अनुपयोगी पानी को पुन: उपयोगी बनाकर पर्यावरण संरक्षण हेतु पेड़ पौधों के लिये प्रयोग में ला रहे हैं । इस प्रकार यह संस्थान पर्यावरण संरक्षण के साथ ही जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में भी अपना योगदान दे रहा है ।

राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार

विंध्य क्षेत्र के प्रमुख औद्योगिक संस्थान युनिवर्सल केबिल्स लिमिटेड को भारत सरकार के केन्द्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा सन् 1982 से लगातार राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। अभी तक इस संस्थान को अनेको राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किये जा चुके हैं।

संस्थान में आयोजन

संस्थान में पर्यावरण के लिए जीवन शैली पहल पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में संस्थान के कर्मचारी एवं श्रमिक बंधु के बच्चों एवं महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिये ट्रेनिंग एवं पर्यावरण के संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया ।कार्यक्रम के समापन पर पर्यावरण संरक्षण की शपथ के उपरांत फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण किया गया । युनिवर्सल केबिल्स लिमिटेड परिवार पर्यावरण संरक्षण एवं सतत् विकास हेतु प्रतिबद्ध है ।